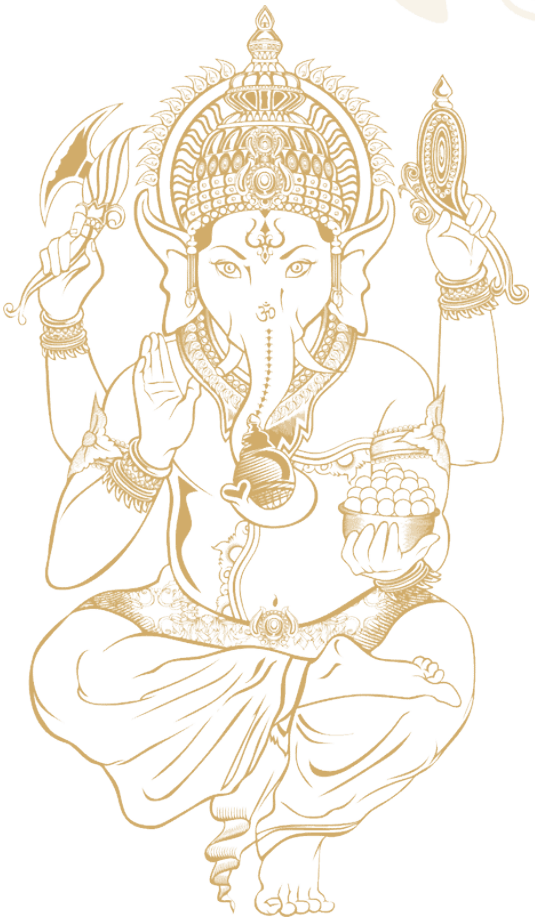

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120578103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/08/1995	जन्म तिथि	09/10/1998
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 21:53:00	जन्म समय	09:45:00 घंटे
घटी 40:20:28	जन्म समय(घटी)	08:32:50 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
31:06:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
77:10:00 पूर्व	रेखांश	77:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:44:48	सूर्योदय	06:19:52
19:07:31	सूर्यास्त	17:57:08
23:47:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 5मा 28दि	25:59:28	मीन	लग्न	वृश्चि	04:23:38	सूर्य 0वर्ष 5मा 20दि
शनि	25:41:45	कर्क	सूर्य	कन्या	21:50:03	राहु
09/02/2010	21:15:13	कुंभ	चंद्र	वृष	08:56:53	30/03/2016
09/02/2029	19:44:25	कन्या	मंगल	सिंह	07:10:35	31/03/2034
शनि 12/02/2013	10:56:52	सिंह	बुध	तुला	01:28:34	राहु 11/12/2018
बुध 23/10/2015	11:53:04	वृश्चि	गुरु व	कुंभ	26:21:04	गुरु 06/05/2021
केतु 01/12/2016	23:24:17	कर्क	शुक्र	कन्या	16:24:29	शनि 12/03/2024
शुक्र 31/01/2020	29:50:45	कुंभ व	शनि व	मेष	07:28:03	बुध 29/09/2026
सूर्य 12/01/2021	05:08:40	तुला व	राहु व	सिंह	06:39:48	केतु 18/10/2027
चन्द्र 14/08/2022	05:08:40	मेष व	केतु व	कुंभ	06:39:48	शुक्र 17/10/2030
मंगल 22/09/2023	03:50:44	मक व	हर्ष व	मक	15:00:43	सूर्य 11/09/2031
राहु 29/07/2026	29:40:42	धनु व	नेप व	मक	05:32:55	चन्द्र 12/03/2033
गुरु 09/02/2029	04:01:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:14:31	मंगल 31/03/2034

लग्न-चलित

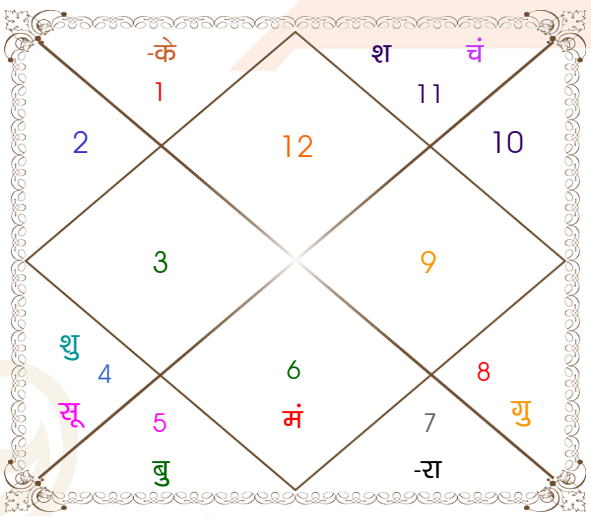

लग्न-चलित

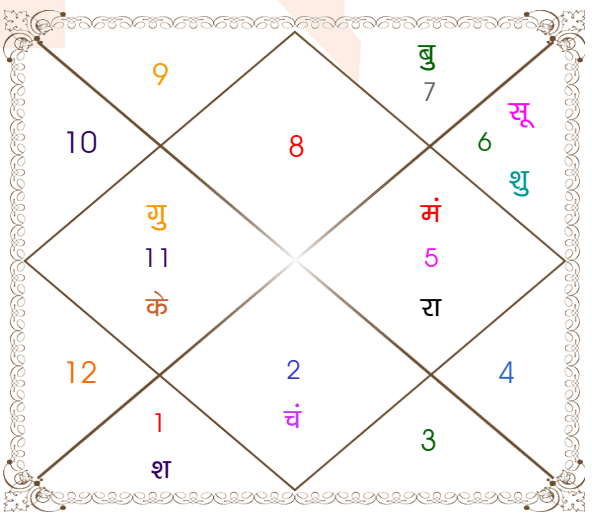

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।